घोड़लिया | By Vivek Sharma

घोड़लिया श्याम ने लेकर म्हारे घर कद सी आवेगो
पगा रा घुँघरा तेरा आंगणिये कब बजावेलो

सेवक की सेवक से अर्ज़ी
व्याकुल खुदगर्ज़ की गर्ज़ी
प्यासा नैन दर्शन का या तृष्णा कब मिटावेगो
घोड़लिया श्याम ने लेकर म्हारे घर कद सी आवेगो

तू खासम ख़ास है दर को
सांवरियो म्हारे भी घर को
निभावण यार की यारी जुगत कद सी भिड़ावेगो
घोड़लिया श्याम ने लेकर म्हारे घर कद सी आवेगो

सांवरियो बैठ्यो है घट में
क्यूँ ढूंढें मंदिर और मठ में
यो भूखो प्रेम को सरिता प्रेम में बंध के आवेगो
घोड़लिया श्याम ने लेकर म्हारे घर कद सी आवेगो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%98%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-by-vivek-sharma/